माँ सरस्वती की आरती

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।

सद्गुण वैभव शालिनि, त्रिभुवन विख्याता॥

॥ जय सरस्वती माता॥

चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी।

सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी॥

॥ जय सरस्वती माता॥

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला।

शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला॥

॥ जय सरस्वती माता॥

देवी शरण में आये, उनका उद्धार किया।

पैंठि मंथरा दासी, रावण संहार किया॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनी, ज्ञान प्रकाश भरो ।

मोह अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

धूप, दीप, फल, मेवा, माँ स्वीकार करो ।

ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे ।

हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ।

सदगुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥

॥ जय सरस्वती माता ॥